AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

स्वरांजलि में छात्र-छात्राओं ने सजाई सुरों की महफिल

जी-20 के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय में हुए सांस्कृतिक आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। जी-20 के तहत बृहस्पतिवार को लखनऊ विवि के नवीन कैंपस में अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में स्वरांजलि कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें छात्र-छात्राओं ने क्लासिकल गानों पर प्रस्तुतियां देकर सभागार में मौजूद लोगों का मन मोह लिया।

डीन प्रो. एके सिंह ने छात्र-छात्राओं से जी-20 के मूल उद्देश्यों और उससे होने फायदों के बारे में बताया। इस दौरान डॉ. शिखा गौतम और रोहित श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे। वहीं संस्कृति विभाग की ओर से डीपीए सभागार में गायन व वादन प्रतियोगिता हुई। मुख्य अतिथि छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. डॉ पूनम टंडन रही। 157 छात्रों में से फाइनल राउंड के लिए 34 प्रतिभागी चयनित हुए थे। इन प्रतिभागियों ने बृहस्पतिवार को अपनी प्रस्तुतियों से सभागार में मौजूद लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रो. मधुरिमा, प्रो. अल्का पांडेय, डॉ. वैशाली सक्सेना, डॉ. उत्कर्ष मिश्रा आदि मौजूद रहे।

लविवि में जी-20 के तहत सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेने पहुंचे छात्र-छात्राएं। - संवाद

छात्राओं ने सीखे आत्मरक्षा के गुर, क्विज में तान्या अव्वल

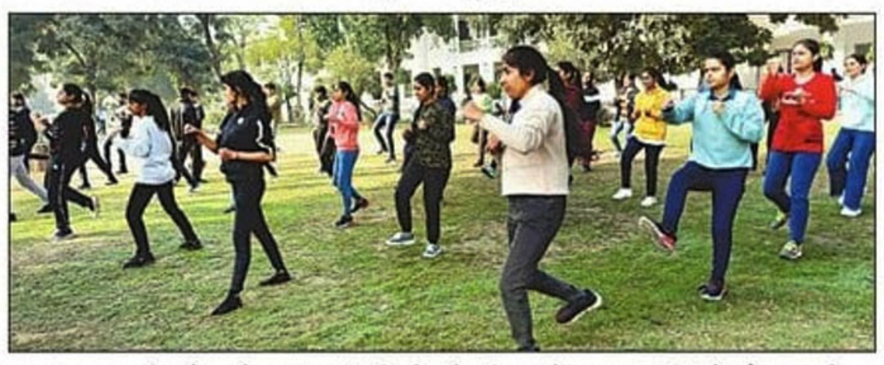

लखनऊ। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से जी-20 के तहत लविवि में सौ छात्राओं को मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण दिया गया। एनएनएस के समन्वयक प्रो. रूपेश कुमार ने बताया कि बालिकाओं को आत्मरक्षा के लिए खुद में सक्षम होना जरूरी है। इसी उद्देश्य से दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ। एप्लाइड इकनॉमिक्स विभाग की ओर से धारणीय विकास और समावेशी विकास पर हुई परिचर्चा में डॉ. करुणा शंकर ने विकास व सैद्धांतिक नींव से संबंधित विषयों पर व्यावहारिक पहलुओं के बारे अपने विचार रखे। क्विज प्रतियोगिता में तान्या गुप्ता प्रथम, शीलू यादव द्वितीय और मेघा तिवारी तृतीय रहीं। (संवाद)

लविवि : पुराने से नए कैंपस तक फ्री बस सेवा

लखनऊ। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बृहस्पतिवार को लखनऊ विवि के पुराने से नए कैंपस तक छात्रों के लिए निशुल्क बस सेवा शुरू करने की घोषणा की है। डीन छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि परिवहन विभाग जल्द सेवा शुरू करने जा रहा है। परिवहन मंत्री व लविवि के पूर्व छात्र दयाशंकर सिंह ने इसकी घोषणा की है। इसके लिए विवि को ड्राइवर व कंडक्टर का इंतजाम करना होगा। बस दिन में दो बार पुराने से नए कैंपस के बीच चलेगी। इसमें सुरक्षा गार्ड भी रहेगा। (संवाद)

क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग के लिए हुई बैठक

लखनऊ। क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग के लिए बृहस्पतिवार को पांच विश्वविद्यालयों व एक संस्थान के आधिकारिक प्रतिनिधियों ने बैठक की। उपक्रम की महानिदेशक प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि बैठक में लविवि, एमएमएमयूटी गोरखपुर, सीसीएसयू मेरठ, रुहेलखंड विवि, केजीएमयू व पीजीआई शामिल हुए। सभी को डाटा व अन्य मानक वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए कहा गया है।। क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग में आवेदन करने की अंतिम तारीख छह फरवरी है। (संवाद)

डॉ. अभिषेक एडि. डीएसडब्ल्यू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अभिषेक कुमार तिवारी को एडिशनल डीन छात्र कल्याण बनाया गया। कुलसचिव संजय मेधावी ने बताया कि अधिष्ठाता छात्र कल्याण की सिफारिश पर कुलपति ने उनका चुनाव किया है। (संवाद)

लविवि के चार मेधावी बने भू वैज्ञानिक

अभिनव प्रकाश

मोहम्मद जावेद

अवनीश कुमार

लखनऊ। लविवि के भू विज्ञान विभाग के चार मेधावियों को भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण में बतौर भू वैज्ञानिक चयन हुआ है। डीन छात्र कल्याण पूनम टंडन ने बताया कि अभिनव प्रकाश श्रीवास्तव, तान्या श्रीवास्तव, मो. जावेद और अवनीश कुमार अवस्थी ने विवि का मान बढ़ाया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने छात्र-छात्राओं को बधाई दी। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 6

एलयूः पुराने से नए कैंपस तक छात्रों के लिए चलेगी बस

सुविधा

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय की अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि परिवहन विभाग एलयू ओल्ड कैंपस से न्यू कैंपस तक छात्रों के लिए बस चलाएगा। इसकी प्रक्रिया चल रही है। परिवहन मंत्री व एलयू के पूर्व छात्र दयाशंकर सिंह ने एक बस देने की बात कही है। उन्होंने कहा कि छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया जा रहा है। हालांकि बस के लिए चालक और परिचालक का इंतजाम एलयू को खुद करना होगा। डीएसडब्ल्यू ने बताया कि बस की सुविधा निशुल्क देने पर विचार चल रहा है। प्रो. पूनम टंडन का कहना है कि बस दिन में दो बार पुराने से नये कैंपस के बीच चक्कर लगाएगी।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण

राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से जी-20 के तहत मार्शल आर्ट कैम्प में आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया। आयोजन वीवी कनेक्ट प्रोग्राम की समन्वयक प्रो. पूनम टंडन और कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अल्का मिश्रा के नेतृत्व में किया गया।

भू-वैज्ञानिक पद पर चार छात्र चयनित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भू-विज्ञान विभाग के चार छात्रों का चयन भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में भू-वैज्ञानिक के रूप हुआ। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा घोषित परिणामों में एमएससी 2018 बैच के अवनीश अवस्थी और 2020 बैच की तान्या श्रीवास्तव, मोहम्मद जावेद व अभिनव प्रकाश श्रीवास्तव के नाम हैं।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी सफल छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति और शिक्षा के उच्चतम मानकों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसके परिणाम बड़ी संख्या में छात्रों की सफलता से स्पष्ट हैं।

JAGRAN CITY PAGE III

विद्यार्थियों को फ्री सरकारी बस की सुविधा

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय जल्द ही पुराने कैंपस के छात्र-छात्राओं को फ्री सरकारी बस सुविधा देगा। पुराने कैंपस से जानकीपुरम स्थित द्वितीय कैंपस तक इसका संचालन होगा। परिवहन निगम बस उपलब्ध कराएगा। चालक की व्यवस्था लवि खुद करेगा। इसको लेकर जल्द ही प्रक्रिया शुरू होगी।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि लवि के पुराने परिसर से जानकीपुरम द्वितीय परिसर की दूरी करीब 13 किलोमीटर है। छात्र-छात्राओं को वहां ये पुराने परिसर में किसी न किसी कार्य के लिए आने के लिए थोड़ी दिक्कतें होती हैं। इसको लेकर परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह ने लवि को एक सरकारी बस मुहैया कराने का आश्वासन दिया है। यह बस सुविधा शुरूहोने से विद्यार्थियों को काफी राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि बस उपलब्ध होने पर पुराने परिसर और द्वितीय परिसर के बीच कम से कम तीन ट्रिप की व्यवस्था कराई जाएगी। इसका समय भी निर्धारित कर दिया जाएगा।

क्यूएस रैंकिंग के लिए दो और विश्वविद्यालय करेंगे आवेदन : अब क्यू एस वर्ल्ड रैंकिंग में दो और विश्वविद्यालय आवेदन करेंगे। इसमें महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली और एसजीपीजीआइ शामिल है। उत्तर प्रदेश सेंटर फार रैंकिंग एंड एक्रीडिटेशन मेंटरशिप (उपक्रम) की महानिदेशक प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि इन दोनों संस्थानों के डेटा का अध्ययन किया जा रहा है। छह फरवरी तक आवेदन होगा।

अभिनव को जियोसाइंटिस्ट परीक्षा में तीसरी रैंक

जासं, लखनऊ : संघ लोक सेवा आयोग की ओर से दो दिन पहले जारी कंबाइंड जियोसाइंटिस्ट परीक्षा-2022 परिणामों में लखनऊ विश्वविद्यालय के भू-विज्ञान विभाग के चार विद्यार्थियों का चयन हुआ है। एमएससी पासआउट यह सभी भूवैज्ञानिक बने हैं। इनमें अभिनव प्रकाश श्रीवास्तव को आल ओवर इंडिया तीसरी रैंक, तान्या श्रीवास्तव 12वीं रैंक, मोहम्मद जावेद 37वीं और अवनीश कुमार अवस्थी को 60वीं रैंक मिली है। अब इन्हें भारत सरकार के भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अन्तर्गत नियुक्त किया जाएगा।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि सफल छात्र-छात्राओं में एमएससी वर्ष 2018 बैच के अवनीश कुमार अवस्थी, 2020 बैच के अभिनव प्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद जावेद और तान्या श्रीवास्तव शामिल हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि लवि राष्ट्रीय शिक्षा नीति और शिक्षा के उच्चतम मानकों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

लवि से बीएससी और 2020 में एमएससी किया। उसी वर्ष इस परीक्षा की भी तैयारी शुरू की। लेकिन चयन नहीं हो पाया। फिर 2021 से ठीक से तैयारी की। बेसिक चीजें एमएससी में पढ़ ली थीं, इसलिए थोड़ा आसानी भी रही। अब चयन हुआ तो तीसरी रैंक मिली।

अभिनव प्रकाश श्रीवास्तव, तीसरी रैंक

पापा संतोष कुमार अवस्थी किसान हैं। मैंने लवि से बीएससी की। फिर 2018 में एमएससी करने के बाद अब यहीं से पीएचडी भी कर रहा हूं। 2020 में भू-वैज्ञानिक पद के लिए यूपीएससी की परीक्षा दी तो चयन नहीं हुआ। फिर भी तैयारी जारी रखी। अब 60वीं रैंक मिली है। मम्मी गणेशा देवी गृहिणी है।

अवनीश कुमार अवस्थी, 60वीं रैंक

इन्हें मिली ये रैंक

भू-विज्ञान विभाग से 2020 में एमएससी करने वाली छात्रा तान्या श्रीवास्तव को 12वीं और मोहम्मद जावेद को 37वीं रैंक के साथ सफलता प्राप्त हुई है।

अब 10 फरवरी तक होंगे इग्नू में दाखिले

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने स्नातक, परास्नातक, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्सों में दाखिले का एक और मौका दिया है। अब अभ्यर्थी आनलाइन पंजीकरण कर 10 फरवरी तक दाखिला ले सकेंगे। इग्नू की ओर से इसका नोटिफिकेशन जारी किया गया है। इग्नू लखनऊ की वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डा. मनोरमा सिंह ने बताया कि अभी तक मास्टर डिग्री, बैचलर डिग्री, पीजी डिप्लोमा, डिप्लोमा, पीजी सर्टिफिकेट और सर्टिफिकेट कोर्स में नए प्रवेश और पुन: प्रवेश के लिए 31 जनवरी तक समय निर्धारित था। इसे बढ़ाकर 10 फरवरी कर दिया गया है। https://ignouadmission.samarth.edu.in व https://ignouiop.samarth.edu.in के माध्यम से प्रवेश ले सकते है।

i-NEXT PAGE 2

एलयू के चार छात्र बने भूवैज्ञानिक

LUCKNOW (2 Feb): लखनऊ यूनिवर्सिटी के भूविज्ञान विभाग के चार स्टूडेंट्स का चयन भूवैज्ञानिक के रूप में हुआ है. यूनियन पब्लिक सर्विस कमिशन की ओर से जारी परिणाम में अभिनव प्रकाश श्रीवास्तव, तान्या श्रीवास्तव, मोहम्मद जावेद, अवनीश अवस्थी ने सफलता हासिल की है. एलयू वीसी प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने सभी सफल छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि एलयू नई शिक्षा नीति और शिक्षा के उच्चतम मानकों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसके परिणाम बड़ी संख्या में छात्रों की सफलता से स्पष्ट है. यूनिवर्सिटी की अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर पूनम टंडन ने सभी सफ्ल छात्रों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है.

फ्री बस सेवा चलाने की तैयारी में यूनिवर्सिटी

परिवहन मंत्री को सौंपा जाएगा प्रस्ताव तैयार करके

LUCKNOW (2 Feb): एलयू न्यू और ओल्ड कैम्पस के स्टूडेंट्स के लिए नि:शुल्क बस सेवा चलाने पर प्रस्ताव तैयार कर रही है. अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि एलयू इसको लेकर जल्द ही एक प्रस्ताव तैयार कर परिवहन मंत्री को सौंपेगा. उनका कहना है कि इस नि:शुल्क बस सेवा से हमारे दोनों कैम्पस के बीच आने-जाने में समय कम लगेगा, जिससे स्टूडेंट्स को काफी आसानी होगी. अभी दोनों कैम्पसों की दूरी अधिक होने से एक-दूसरे कैम्पस में स्टूडेंट्स को कहीं लाने और ले जाने के लिए वाहन की दिक्कत होती है. कई बार स्टूडेंट्स को एलयू ओल्ड कैम्पस के कामों को लेकर आना पड़ता है. पब्लिक कंवेंस से आने में उनको समय भी अधिक लगता है और रुपये भी खर्च होते हैं. इन सभी बातों का ध्यान रखते हुए उनकी सुविधा के लिए इसपर जल्द ही प्रस्ताव तैयार करके परिवहन मंत्री को सौंपने पर विचार हो रहा है.

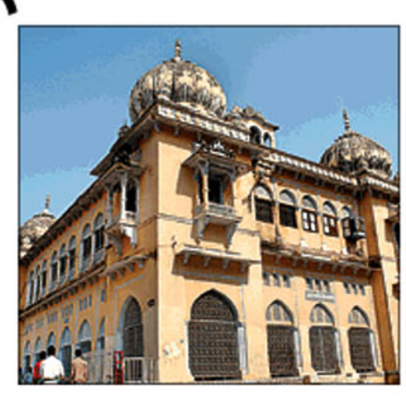

PIONEER PAGE 4

यूं ही नसीहत को हल्के में न लें विवि, आंकड़े दे रहे गवाही

● **लविवि के पिछले 3 साल के आंकड़े बता रहे छात्राएं सबसे आगे**

सतीश सिंह। लखनऊ

एलयू की परीक्षा में शामिल छात्राओं की संख्या

सत्र	कुल विद्यार्थी	छात्र	छात्राएं
2019	171589	75295	96294
2020	155302	67457	87845
2021	252558	122060	130484

तीन साल के दीक्षांत में बेटियों का कमाल

वर्ष	कुल पदक	छात्राएं	छात्र
2020	187	142	45
2021	183	129	54
2022	189	151	38

दीक्षान्त समारोह के दौरान यदि प्रदेश की राज्यपाल यह कहें कि लड़कों के मुकाबले लड़कियां आगे निकल रही हैं। जबकि दोनों को एक समान शिक्षा के अवसर मिल रहे हैं। इसके बावजूद लड़कों की घटती संख्या पर शिक्षण संस्थानों को चिंतन करने की जरूरत है कि आखिर लड़के क्यों पिछड़ रहे हैं तो इसमें कुछ भ्रम नहीं है। अकेले लखनऊ विश्वविद्यालय में बीते तीन वर्ष के आंकड़े (चाहे एडमिशन हो या दीक्षान्त समारोह) छात्राएं सबमें आगे रही है, यह आंकड़े राज्यपाल की बात पर मोहर लगाने के लिए काफी है। हाल में लखनऊ विवि के दीक्षांत समारोह में बेटिया ही पदक में पाने में बेटो से आगे रहीं। लेकिन बेटिया सिर्फ पदक पाने में ही नहीं बल्कि दाखिला लेने में भी बेटो से आगे हैं। उच्च शिक्षा में छात्राओं की संख्या बढ़ना महिला सशक्तिकरण का एक सर्वोत्तम उदाहरण है। अकेले लखनऊ विश्वविद्यालय में बीते 3 सालों में परीक्षा देने की संख्या को आधार माना जाए तो बेटियों का उच्च शिक्षा के प्रति रुझान काफी तेजी से बढ़ रहा है। बेटियां आगे निकल रही हैं और बेटे पीछे हैं, इसके पीछे अलग पहलू है। आज शिक्षा के हर क्षेत्र में पहले के मुकाबले लड़कियों की संख्या में ईजाफा हुआ है, पर प्रोफेशनल कोर्सों में इनकी संख्या कम है। लड़कों का फोकस स्किल बेस्ड एजुकेशन है। उन्हें जल्द नौकरी की चाहत होती है। जबकि वहीं लड़कियां आर्ट्स और साइंस स्ट्रीम में जा रही है। हालांकि इसके एनालिसिस की जरूरत है। पर, इसमें कहीं न कहीं अभिभावक भेद-भाव कर रहे हैं। जिस कोर्स में खर्च ज्यादा है, उसमें लड़कों का एडमिशन करा दिया और जिस कोर्स में खर्च कम हैं, उसमें लड़कियों का एडमिशन करा दिया। जिसके चलते लड़कियों की संख्या इन सब्जेक्ट की तरफ ज्यादा है।

समाजशास्त्री डॉ. डीआर साहू
विभाग प्रमुख, समाजशास्त्र लविवि

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

भूवैज्ञानिक के रूप में चयनित हुए लविवि भूविज्ञान विभाग के 4 छात्र

लखनऊ (एसएनबी)। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा घोषित परिणामों में लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग के चार छात्रों को सफल घोषित किया गया है और उनका चयन भूवैज्ञानिक के पद पर किया गया है। इन छात्रों को भारत सरकार के भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अन्तर्गत नियुक्त किया जाएगा। सफल छात्रों में अभिनव प्रकाश श्रीवास्तव, तान्या श्रीवास्तव, मोहम्मद जावेद, अवनीश अवस्थी शशमिल हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी सफल छात्रों को वधाई देते हुए कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति और शिक्षा के उच्चतम मानकों को लागू करने के लिए प्रतिवद्ध है।

अवनीश अवस्थी

तान्या श्रीवास्तव

अभिनव प्रकाश

मोहम्मद जावेद

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि के चार छात्र बने भूवैज्ञानिक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

प्रकाश श्रीवास्तव

तान्या श्रीवास्तव

मोहम्मद जावेद

अवनीश अवस्थी

● **संघ लोक सेवा आयोग ने घोषित किया परिणाम**

अमृत विचार : संघ लोक सेवा आयोग द्वारा घोषित किए गए परिणामों में लखनऊ विश्वविद्यालय भूविज्ञान विभाग के चार छात्रों को सफल घोषित किया गया है और भूवैज्ञानिक के पद के लिए चयन किया गया है। इन छात्रों को भारत सरकार के भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अन्तर्गत नियुक्त किया जाएगा। सफल छात्रों में अभिनव प्रकाश श्रीवास्तव, तान्या श्रीवास्तव, मोहम्मद जावेद, अवनीश अवस्थी हैं।

विवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने सभी सफल छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति और शिक्षा के उच्चतम मानकों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसका परिणाम बड़ी संख्या में छात्रों की सफलता से स्पष्ट हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों की निरंतर सफलता विशेष विषय में छात्रों की अकादमिक उत्कृष्टता के साथ-साथ विवि की उच्च शिक्षा में सर्वोत्तम मानकों को दर्शाती है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफ़ेसर पूनम टंडन ने सभी सफल छात्रों को हार्दिक बधाई दी और बताया कि लविवि की योजना 'संवर्धन' की प्रेरणा से सफल छात्रों के अनुभव और उत्कृष्ट अकादमिक प्रदर्शन से जूनियर छात्रों को लाभान्वित करने के लिए इस योजना का क्रियान्वयन सभी विभागों में किया जा रहा है। यह इसलिए चलाया जा रहा है ताकि कनिष्ठ छात्र अपने वरिष्ठ छात्रों से सीधे संपर्क कर शैक्षणिक एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकें।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

युवाओं ने सीखे आत्मरक्षा के गुर

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में गुरूवार को राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई की ओर से जी-20 थीम के तहत मार्शल आर्ट कैम्प के द्वितीय दिन युवाओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया तथा उनके मध्य प्रतियोगिताओं का आयोजन वीवी कनेक्ट प्रोग्राम की समन्वयक प्रो. पूनम टंडन और कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अल्का मिश्रा के नेतृत्व में किया गया। ड्रैगन अकेडमी ऑफ मार्शल आर्ट की संचालिका मंजू ने अपनी टीम के साथ छात्र- छात्राओं को आत्मरक्षा की अनेक तकनीक सिखायी और तत्पश्चात उनके मध्य प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया। एल्बो पंचिंग में बालिका वर्ग में कविता मिश्रा ने प्रथम, अक्षता यादव ने द्वितीय, व वार्तिक सिंह ने तृतीय स्थान ,वही बालक वर्ग में प्रथम हर्षित सिंह, द्वितीय भुवनेश प्रताप सिंह तथा धनीराम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं बैक पंचिंग में बालिका वर्ग में अंजली श्रीवास्तव ने प्रथम, आरती देवी ने द्वितीय, कविता मिश्रा ने तृतीय तथा बालक वर्ग में प्रथम हर्षित सिंह, द्वितीय देव कुमार सिंह तथा विशाल वर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर एनएसएस कॉर्डिनेटर प्रो. रूपेश कुमार, प्रो. अमृतांशु शुक्ला, प्रो. मनोज शर्मा , प्रो. सत्येन्द्र सिंह भी मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त एनएसएस की ओर से एक मोटीवेशनल सेमिनार भी कराया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में एनएसएस की राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता तथा पूर्व कॉर्डिनेटर डॉ . सुषमा मिश्रा जी उपस्थित रही। उन्होंने युवाओं को एकेडमिक डेवलपमेंट के साथ-साथ समाज और राष्ट्र के लिए सदैव तत्पर रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

एप्लाइड इकोनॉमिक्स विभाग में दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन जी20 में भारत की अध्यक्षता का उत्सव मनाने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के एप्लाइड इकोनॉमिक्स विभाग में दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।पहले दिन क्विज प्रतियोगिता के बाद दूसरे दिन गुरूवार को पोस्टर प्रतियोगिता व व्याख्यान हुआ। पोस्टर प्रतियोगिता का विषय धारणीय विकास और समावेशी विकास था, जिसमें 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया। एमकॉम एप्लाइड इकोनॉमिक्स के छात्र और शोधार्थियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। विभाग के प्रोफेसर जज थे। क्विज प्रतियोगिता में तान्या गुप्ता ने प्रथम, शीलू यादव ने द्वितीय, मेघा तिवारी ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। विषय धारणीय विकास और समावेशी विकास पर व्याख्यान डॉ0 करुणा शंकर कनौजिया, सहायक प्रोफेसर, व्यावहारिक अर्थशास्त्र विभाग द्वारा दिया गया। जिसमें उन्होंने विकास, सैद्धांतिक नींव और विषय से संबंधित व्यावहारिक पहलुओं के बारे में बात की।

एलयू के छात्रों का भूवैज्ञानिक के रूप में चयन

स्वतंत्र भारत संवाददाता ,लखनऊ। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा घोषित परिणामों में भूविज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय के 4 छात्रों को सफल घोषित किया गया है और भूवैज्ञानिक के पद के लिए चयन किया गया है। इन छात्रों को भारत सरकार के भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अन्तर्गत नियुक्त किया जाएगा। सफ्ल छात्रों में अभिनव प्रकाश श्रीवास्तव, तान्या श्रीवास्तव, मोहम्मद जावेद, अवनीश अवस्थी हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों की निरंतर सफलता विशेष विषय में छात्रों की अकादमिक उत्कृष्टता के साथ-साथ लखनऊ विश्वविद्यालय की उच्च शिक्षा में सर्वोत्तम मानकों को दर्शाती है। लखनऊ विश्वविद्यालय केकुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने सभी सफल छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति और शिक्षा के उच्चतम मानकों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसके परिणाम बड़ी संख्या में छात्रों की सफलता से स्पष्ट हैं। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफ़ेसर पूनम टंडन ने सभी सफल छात्रों को हार्दिक बधाई दी और बताया कि कुलपति की योजना संवर्धन की प्रेरणा से लखनऊ विश्वविद्यालय के सफल छात्रों के अनुभव और उत्कृष्ट अकादमिक प्रदर्शन से जूनियर छात्रों को लाभान्वित करने के लिए इस योजना का क्रियान्वयन सभी विभागों में किया जा रहा है। यह इसलिए चलाया जा रहा है ताकि कनिष्ठ छात्र अपने वरिष्ठ छात्रों से सीधे संपर्क कर शैक्षणिक एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकें।

लविवि के छात्रों का जीएसआई में भूवैज्ञानिक के रूप हुआ चयन

वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा घोषित परिणामों में लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग के चार छात्रों को सफल घोषित किया गया है और भूवैज्ञानिक के पद के लिए चयन किया गया है। इन छात्रों को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के तहत नियुक्त किया जायेगा। सफल छात्रों में अभिनव प्रकाश श्रीवास्तव, तान्या श्रीवास्तव, मोहम्मद जावेद, अवनीश अवस्थी हैं। इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी सफल छात्रों को बधाई दी।

बिना कोचिंग के सतत प्रयास से मिली सफलता :मो. जावेद

लविवि के भूविज्ञान विभाग के 2020 बैच के मो. जावेद ने बताया कि उन्होंने भूवैज्ञानिक बनने के लिए स्वाध्याय तैयारी की थी। उन्होंने कोई कोचिंग नहीं की थी। प्रत्येक विषय की दो किताबों से तैयारी की थी और उन्हें लगातार दोहरते रहे। उनका चयन तीसरी बार में हुआ है। तैयारी के दौरान उन्होंने बीते पेपरों से भी तैयारी की। करीब आठ घंटे पढ़ाई करता था। इनके पिता मो. रफीक एनटीपीसी में इंजीनियर है और मां समशुनिशा गृहिणी है। इनके बड़े भाई भी ओएनजीसी में इंजीनियर है। उन्हें बीएससी में जीएसआई की जानकारी हुई और उसी को लक्ष्य मानकर तैयारी की और सफलता पायी। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अभिभावक, शिक्षक और दोस्तों को दिया।

पढ़ाई घंटों में लक्ष्य साधने से मिली सफलता : अभिनव

लविवि के भूविज्ञान विभाग के 2020 बैच के अभिनव प्रकाश

श्रीवास्तव ने बताया कि उन्होंने बीएससी में पढ़ाई के दौरान जब जीएसआई की जानकारी हुई थी तभी से भूवैज्ञानिक बनने के लिए लक्ष्य तय कर लिया था। उन्होंने यह सफलता दूसरे प्रयास में पायी है। अभिनव ने बताया कि सफलता पाने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिये और आशावादी बने रहे। किसी विषय में रूचि हो तो घंटों में लक्ष्य तय नहीं होता। इनके पिता भानु प्रकाश श्रीवास्तव सेवानिवृत्त यूपीपीसीएल में आफिस असिस्टेंट पद पर थे। इनकी माता अंजलि श्रीवास्तव गृहिणी है।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 2

तीन साल में बढ़ा लविवि में छात्राओं का दबदबा

वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के सबसे पुराने विश्वविद्यालयों में से एक लखनऊ विश्वविद्यालय में पदकों को पाने में 80 फीसदी छात्रायें शामिल होती हैं। हाल में लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में बेटियां ही पदक में पाने में बेटो से आगे रहीं लेकिन बेटियां सिर्फ पदक पाने में ही नहीं बल्कि दाखिला लेने में भी बेटों से आगे हैं। लखनऊ

● **50 फीसदी से अधिक सीटों पर छात्राओं को मिला है प्रवेश**

विश्वविद्यालय के साल 2019 से 2022 तक लगातार छात्राओं की संख्या छात्रों से अधिक रही है। उच्च शिक्षा में छात्राओं की संख्या बढ़ना एक अच्छे सदेश के रूप में देखा जा रहा है। ऐसा ही हाल मेडिकल की पढ़ाई करने वाली बेटियों का भी है, यहां भी पदक पाने में बेटिया अव्वल हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय से संबंध 545 कॉलेजों में लगातार छात्राओं की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की गयी है। बीते तीन सालों में परीक्षा देने की संख्या को आधार माना जाये तो बेटियों का उच्च शिक्षा के प्रति रुझान काफी तेजी से बढ़ रहा है। केवल लखनऊ विश्वविद्यालय ही नहीं दूसरे विश्वविद्यालयों में भी पढ़ाई करने के मामले में भी छात्राओं आगे रही हैं। वर्ष 2019, 2020 और 2021 की परीक्षा की संख्या देखने से भी पता चलता है और इसी प्रकार बीते तीनो वर्षों के दीक्षांत समारोह में भी बेटियां ही पदक पाने में आगे रहीं हैं। लविवि की साल 2019 की परीक्षा में कुल 171589 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया था। जिसमें से 75295 छात्र और छात्राओं की संख्या करीब 11 हजार ज्यादा 96294 थी। इसी तरह वर्ष 2020 की परीक्षा में 155302 विद्यार्थी शामिल हुए। इसमें 67457 छात्र और तकरीबन 20 हजार अधिक 87845 छात्रायें थी। वहीं, वर्ष 2021 की परीक्षा में छात्राओं को आंकड़ा 130484 हो गया और छात्र 122060 थे। इसी प्रकार दीक्षांत समारोह में पदक प्राप्त करने भी छात्रायें हमेशा आगे रहीं। वर्ष 2020 में कुल 187 पदकों में 142 पदकों पर छात्राओं ने कब्जा किया। वहीं 2021 के 183 पदक में 129 पदक छात्राओं के खाते में आये और वर्ष 2022 के दीक्षांत के 189 पदक में छात्राओं ने 151 पदक अपने नाम कर लिये।

लखनऊ विश्वविद्यालय की डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा के लिए छात्राओं का स्वागत है। हमारा प्रवास छात्राओं को सिर्फ शिक्षित करना नहीं बल्कि उनका सर्वांगीण विकास करना है। बेटियां आगे बढ़ती है तो एक परिवार आगे बढ़ता है इसलिए बेटों के साथ ही बेटियों को भी अधिक से अधिक शिक्षा दिलाना चाहिये। हमारी बेटियां लगातार देश के विकास में योगदान कर रही हैं क्योंकि वे अच्छी शिक्षा ग्रहण कर रहीं हैं।

लविवि की परीक्षा में शामिल छात्राओं की संख्या

सत्र	कुल विद्यार्थी	छात्र	छात्राएं
2019	171589	75295	96294
2020	155302	67457	87845
2021	252558	122060	130484

लविवि के तीन साल के दीक्षांत में बेटियों का कमाल

वर्ष	कुल पदक	छात्राओं को मिले पदक	छात्रों को मिले पदक
2020	187	142	45
2021	183	129	54
2022	189	151	38